nbt.india
एक: सूते सकलम्

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास संवाद

मूल्य : एक प्रति ₹ 0.50; वार्षिक ₹ 5.00

फरवरी, 2015 • वर्ष 20, अंक 2

अंदर के पृष्ठों में . . . . .

लेखक मंच 2015	2
नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में हॉलों का श्रेणीवार विवरण	2
पब्लिकॉन 2014	3
कटक पुस्तक मेला 2014	3
कटक पुस्तक प्रोन्नयन केंद्र का उद्घाटन	4
न्यास के लेखकों को पद्म सम्मान	4
मुरादाबाद पुस्तक मेला	5
बिहार एवं झारखंड में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के वितरक एवं एजेंट	5
पुस्तक परिचय	6
राष्ट्रीय पुस्तक न्यास से प्रकाशित कुछ नवीनतम पुस्तकें : एक परिचय	7
नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले, 2015 की विशेषताएँ	8
न्यास में सलाहकार शिव कुमार मिश्र का निधन	8
न.दि.वि.पु.मे में भारतीय प्रकाशक : आँकड़ों में	8

नवीनतम प्रकाशन

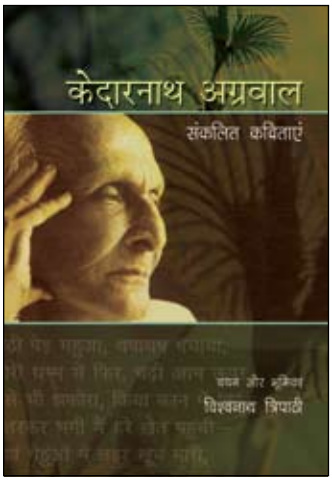

केदारनाथ अग्रवाल : संकलित कविताएँ
विश्वनाथ त्रिपाठी (चयन और भूमिका)
पृ. 110 ₹ 70
ISBN 978-81-237-6122-0

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2015

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2015 का 14 से 22 फरवरी, 2015 तक नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजन किया जा रहा है। पुस्तक मेला का उद्घाटन मानव संसाधन विकास मंत्री, माननीया श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी करेंगी। प्रख्यात लेखक श्री नरेंद्र कोहली विशिष्ट अतिथि होंगे।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा आयोजित नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला भागीदारों को इस बढ़ते पुस्तक उद्योग के साथ-साथ व्यापार करने का अद्वितीय अवसर प्रदान करता है। पुस्तक प्रोन्नयन, सह-प्रकाशन व्यवस्था व व्यापार के उद्देश्य से भी यह मेला एक आदर्श स्थान है। मेले के दौरान विभिन्न साहित्यिक एवं प्रकाशन संबंधी सम्मेलनों तथा गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। साथ ही, यह मेला पुस्तक-प्रेमियों के लिए दक्षिण एशिया के प्रकाशन एवं बौद्धिक संसार के द्वार भी खोलता है। यह मेला विश्व के प्रमुख प्रकाशन गृहों को भागीदारी के लिए अपनी ओर आकर्षित करता है।

हाल ही के वर्षों में नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में विभिन्न विशेषताओं का समावेश किया गया है, यथा, यह मेला वर्ष 2013 से द्विवार्षिक के स्थान पर वार्षिक कर दिया गया है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन समाज के बीच मेले की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए इसमें 'विशिष्ट अतिथि देश' की अवधारणा की शुरुआत भी की गई है। वर्ष 2013 में विशिष्ट अतिथि देश का सम्मान फ्रांस को तथा वर्ष 2014 में यह सम्मान पोलैंड को प्राप्त हुआ था।

विशिष्ट अतिथि देश व फोकस देश

इस वर्ष मेले में सिंगापुर विशिष्ट अतिथि देश जबकि दक्षिण कोरिया 'फोकस देश' के रूप में भागीदारी करेगा। मेले में अंतरराष्ट्रीय समाज की प्रतिस्पर्धात्मक आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए इस वर्ष से न.दि.वि.पु.मे. में 'फोकस देश' का सम्मान देने की नई पहल की जा रही है। 36,000 वर्ग मीटर में फैले इस मेले में लगभग 1,500 भारतीय तथा विदेशी प्रदर्शक भाग लेंगे। मेले में विभिन्न संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ, पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम, विचार गोष्ठियाँ व सांस्कृतिक गतिविधियाँ भी होंगी। पुस्तक मेले में एक साथ इतने कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ मेले में आए लेखकों, पुस्तक-प्रेमियों, विद्यार्थियों व पुस्तक उद्योग से जुड़े लोगों का मन मोह लेंगी।

Diverse Cultures, Distinct Literature
SG BOOKS
GUEST OF HONOUR COUNTRY - SINGAPORE

Books opening the mind, Doors opening the future
Korea Focus Country 2015
New Delhi World Book Fair

सीईओ स्पीक ओवर चेयरमैन'स ब्रेकफास्ट

मेले के एक भाग के रूप में इस कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 2013 में की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत में प्रकाशक समुदाय के साथ अधिक-से-अधिक संपर्क स्थापित कर व्यवसाय तथा पुस्तक-व्यापार संबंधी विषयों पर चर्चा साझा करने हेतु मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) को एक मंच प्रदान करना है। इस अवसर पर प्रकाशन उद्योग से आए लगभग 100 से 120 मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रबंध निदेशक, निदेशक तथा वरिष्ठ कार्यकारियों के भाग लेने की संभावना है। यह कार्यक्रम एनबीटी के अध्यक्ष द्वारा आयोजित ब्रेकफास्ट के पश्चात प्रारंभ किया जाता है।

नई दिल्ली प्रतिलिप्यधिकार मंच

नई दिल्ली प्रतिलिप्यधिकार मंच (नई दिल्ली राइट्स टेबल) भारत तथा विदेशों से आए प्रकाशकों, प्रतिलिप्यधिकार एजेंटों, अनुवादकों व संपादकों को व्यापार अवसरों का परस्पर लाभ उठाने हेतु एक मंच प्रदान करता है। नई दिल्ली प्रतिलिप्यधिकार मंच एक नवीन व्यावसायिक परिवेश में प्रकाशकों के बीच व्यापारिक सत्र आयोजित कर उन्हें अपने अनुभव साझा करने के अवसर प्रदान करेगा। साथ ही यह अद्वितीय प्रारूप प्रतिभागियों को अपने प्रतिलिप्यधिकार मंच को सुरक्षित करने, परस्पर भेंट करने, अपने उत्पाद एवं विचार प्रस्तुत करने व अँग्रेजी, हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में उपलब्ध पुस्तकों के अनुवाद एवं अधिकारों के हस्तांतरण हेतु अपनी अभिरुचियों को प्रस्तुत करने का भी अवसर प्रदान करेगा। इस वर्ष प्रतिलिप्यधिकार मंच कार्यक्रम के लिए भारत तथा विदेशों से लगभग 80 प्रतिभागी पंजीकरण करवा चुके हैं।

बाल मंडप

बच्चों में सृजनात्मकता तथा पढ़ने की रुचि को बढ़ावा देने के लिए हॉल सं. 1-ए एवं 1-आर में इस वर्ष बाल मंडप लगाया जा रहा है। इस मंडप में बच्चों को प्रख्यात लेखकों तथा चित्रकारों से मिलने के अवसर मिलेंगे, साथ ही विभिन्न पैनल चर्चाएँ, कार्यशालाएँ, कहानी-वाचन सत्र तथा परस्पर संवादात्मक सत्र आयोजित किए जाएँगे। इस मंडप में देशभर से आए उत्तम बाल प्रकाशनों को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

लेखक मंच

वर्ष 2013 में न्यास द्वारा नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में पहली बार 'लेखक मंच' का सफल आयोजन किया गया था, जहाँ पुस्तक-प्रेमियों ने प्रख्यात लेखकों तथा अन्य साहित्यिक हस्तियों के साथ संवाद स्थापित किया व विभिन्न पठन-सत्र आयोजित किये गए। पिछले वर्षों की भाँति ही इस वर्ष भी एनबीटी हाल संख्या 12, 8, 10 तथा 14 में क्रमशः लेखक मंच, साहित्य मंच, प्रतिबिंब (रिफलेक्शंस) तथा बातचीत (कन्वर्सेशंस) नाम से ऑथर्स कॉर्नर का आयोजन कर रहा है जिसमें प्रसिद्ध भारतीय लेखकों के साथ विभिन्न साहित्यिक गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी।

लेखक मंच 2015

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला के दौरान राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा 'लेखक मंच' व 'ऑथर्स कॉर्नर' का आयोजन किया जाता है। यह मेले में एक विशिष्ट कोना होता है जहाँ लेखकों को पाठकों तथा आगंतुकों से अपने अनुभव साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया जाता है। इस मंच पर लेखक अपनी पुस्तकों, साहित्यिक पत्रिकाओं व अन्य अनेक विषयों पर बातचीत करते हैं।

मेले में लेखक मंच पर प्रतिदिन कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। लेखक मंच में भाग लेने के लिए एनबीटी द्वारा कोई शुल्क नहीं लिया जाता है।

कुछ विख्यात लेखक जो विगत वर्षों में लेखक मंच पर शिरकत कर चुके हैं वे हैं– नामवर सिंह, मैनेजर पांडे, केदारनाथ सिंह, रवींद्र कालिया, प्रेम जनमेजय, नीलेश मिश्रा, इरशाद कामिल, अशोक वाजपेयी, पुरुषोत्तम अग्रवाल, वर्तिका नंदा, शेरजंग गर्ग, ममता कालिया आदि।

कुछ प्रख्यात लेखक जिन्होंने 'ऑथर्स कॉर्नर' की शोभा बढ़ाई वे हैं– रस्किन बॉन्ड, डॉ. करण सिंह, विकास स्वरूप, पारो आनंद, प्रो. मुशिरुल हसन, दीप्ति नवल, विनीत नायर, वेसना जकोब, रवि वेंकटेसन, जोगेंद्र सिंह आदि।

आवश्यक सूचना

- प्रवेश टिकट प्रगति मैदान के गेट नं. 1, 2, 7, 8 एवं 10 से उपलब्ध होंगे।
- प्रवेश टिकट 50 मेट्रो स्टेशनों से भी खरीदे जा सकते हैं।
- आगंतुक प्रगति मैदान के सभी गेट से अंदर आ सकते हैं।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में हॉलों का श्रेणीवार विवरण इस प्रकार है :

मंडप

थीम मंडप	हॉल सं. 7 ई
विदेशी मंडप	हॉल सं. 7 ए, बी एवं सी
बाल एवं शैक्षणिक पुस्तकें	हॉल सं. 1 ए, एवं 1 आर
हिंदी एवं क्षेत्रीय भाषाएँ	हॉल सं. 12, 12ए
सामान्य एवं व्यापार	हॉल सं. 6,9,10 एवं 11
सामाजिक विज्ञान	हॉल सं. 6 एवं 1 आर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	हॉल सं. 14
सरकारी संगठन	हॉल सं. 14
विविध	हॉल सं. 14
ई-बुक्स	हॉल सं. 14

लेखक मंच/ऑथर्स कॉर्नर

लेखक मंच	हॉल सं. 12
साहित्य मंच	हॉल सं. 8
रिफलेक्शंस	हॉल सं. 10
कन्वरसेशंस	हॉल सं. 14
इवेंट कॉर्नर (विदेशी मंडप)	हॉल सं. 7 ए

संगोष्ठी/कार्यशाला

संगोष्ठी हॉल I व II	हॉल सं. 6 मेज़नाइन तल
सभागार हॉल I	हॉल सं. 7 (प्रथम तल)
सभागार हॉल II	हॉल सं. 8 (प्रथम तल)
सांस्कृतिक कार्यक्रम (प्रतिदिन)	लाल चौक (हॉल सं. 6 के पास)

सूर्योदय

पूर्वोत्तर भारत के उभरते स्वर

पूर्वोत्तर भारत का विचार आते ही उस भूमि का चित्र मन-मस्तिष्क पर छा जाता है जहाँ सूर्य की पहली किरण अभिवादन करती है। भारत की वैविध्यपूर्ण संस्कृति, हरी-भरी घाटियों, बर्फ से ढकी पहाड़ की चोटियों, नदियों के मिलेजुले सुंदर विशाल चित्र की तरह। यदि पूर्वोत्तर को विविधता की धरती कहा जाए तो विविधता ही पूर्वोत्तर का वास्तविक अर्थ है। विविधता जो वहाँ के लोगों, भाषा, संस्कृति, खानपान से झलकती है और परिलक्षित होती है वहाँ के संगीत, कला और प्रस्तुतियों की मौखिक व लिखित जीवंत परंपरा में। यहाँ के उभरते लेखकों और विद्वानों का लेखन तो देश की साहित्यिक संकल्पना को समृद्ध बनाता ही है, साथ ही परंपराओं की सशक्त चेतना, लोकगाथाओं की संपन्न विरासत और वर्तमान की परिपेक्ष्य समझ, उज्जवल और जाग्रत साहित्यिक पृष्ठभूमि भी निर्मित करती है।

आज, हम पूर्वोत्तर भारत की साहित्यिक विविधता की एक झांकी प्रस्तुत करने जा रहे हैं और यहाँ के शब्दों के संसार में आपको आमंत्रित करते हैं। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2015 के थीम-आयोजन - "सूर्योदय : पूर्वोत्तर भारत के उभरते स्वर" का प्रस्तुतीकरण इस क्षेत्र के सशक्त लेखन, वहाँ के प्रदेशों और लोगों पर केंद्रित होगा। आइए और साहित्यिक कार्यक्रमों, कार्यशालाओं तथा विमर्शों के बौद्धिक विस्तार के सहभागी बनिए।

पब्लिकॉन 2014

''एक ऐसे तंत्र का निर्माण किया जाना चाहिए जहाँ सभी शैलियों में मुद्रित एवं ई-पुस्तकें एक साथ मिलकर पाठक तक अपनी पहुँच बनाएँ'', ये शब्द लेखक, सांसद व मुख्यमंत्री बिहार के सांस्कृतिक सलाहकार, श्री पवन कुमार वर्मा ने 3 दिसंबर, 2014 को फिक्की द्वारा आयोजित सम्मेलन-'पब्लिकॉन-2014 : पब्लिशिंग एक्रॉस प्लेटफॉर्म्स' में कहे।

इस अवसर पर श्री वर्मा ने कहा कि युवाओं में पुस्तकों का डिजिटल स्वरूप लोकप्रिय हो रहा है, परंतु अभी भी वे पाठक मुद्रित पुस्तकें ही पसंद करते हैं जो मुद्रित पुस्तकों के युग से संबंध रखते हैं। हालाँकि उन्होंने कहा कि व्यक्ति को किसी परिवर्तन को केवल तर्कशक्ति के आधार पर ही स्वीकार या अस्वीकार करना चाहिए। यदि पुस्तकों के पारंपरिक रूप से तुलना की जाए तो ई-पुस्तकें एक तर्कसंगत बदलाव ला रही हैं जो आसान उपलब्धता, सरल भंडारण व कम मूल्य जैसी विशेषताओं से युक्त है। तकनीकी विकास के साथ-साथ अब अधिक-से-अधिक लेखक तथा पाठक डिजिटल प्रारूप की वैश्विक उपलब्धता को देखते हुए इसकी ओर उन्मुख हो रहे हैं।

कार्यक्रम में लेखिका व सचिव, भूमि संसाधन विभाग, भारत सरकार, सुश्री वंदना कुमारी ने कहा कि डिजिटल प्रकाशन एक नया पहलू है तथा हमारा भविष्य इसी से संबंधित है। पिछले कुछ वर्षों से लेखकों व पाठकों दोनों की रूपरेखा बदली है, तथा युवाओं ने डिजिटल प्रकाशन को अत्यंत सकारात्मक रूप से ग्रहण किया है। हालाँकि, भारत में उपलब्ध डिजिटल पुस्तकों को मुद्रित पुस्तकों से प्रतिस्थापित करने में समय लगेगा क्योंकि देश में अभी भी ऐसे लोग बहुमत में हैं जो मुद्रित पुस्तकों को पसंद करते हैं।

प्रकाशकों की भूमिका पर बातचीत करते हुए फिक्की प्रकाशन समिति के सह अध्यक्ष व सलाहकार, रीड एल्सवेयर इंडिया प्रा.लि., श्री रोहित कुमार ने कहा कि एक प्रकाशक, लेखकों के विचारों को विश्व तक पहुँचाने के लिए उत्तरदायी है व इस संबंध में उभरती प्रौद्योगिकी तथा डिजिटीकरण एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उभरकर आ रहे हैं। पुस्तक प्रकाशन के इस तेजी से बदलते संसार में लेखकों एवं पाठकों की माँगों को पूरा करने का दायित्व प्रकाशकों के कंधों पर है।

कार्यक्रम का पहला सत्र अनुकूलक सामग्री पर आधारित था, यथा एप्स, पुस्तकें तथा दृश्य मीडिया। इस चर्चा में वक्ताओं के रूप में सेनगेज लर्निंग इंडिया, प्रा.लि. के प्रबंध

निदेशक, श्री आलोक श्रीवास्तव; स्वतंत्र पेशेवर, श्री नियम भूषण तथा निदेशक, अपतारा, श्री सन्नी नाथ उपस्थित थे। दूसरे सत्र में विमर्शकर्ता के रूप में हार्पर कॉलिंस की सीईओ, सुश्री बी.के. कार्तिका, साईकृष्ण एंड एसोसिएट्स तथा एसोसिएट एडवोकेट एस.एस. रामा एंड कंपनी की सुश्री रितिका मोहा उपस्थित थीं।

कार्यक्रम में आयोजित 'ऑनलाइन मीडिया तथा पुस्तक वितरण' विषय पर आधारित सत्र में ऑनलाइन मीडिया विपणन पर चर्चा की गई जिसकी अध्यक्षता एमडी, बलानी इन्फोटेक प्रा.लि. के प्रबंध निदेशक, श्री कैलाश बलानी ने की। विमर्शकर्ता के रूप में फ्लिपकार्ट इंडिया के श्री आर. विवेक, बिज़नेस बायर इंडिया की सुश्री तरु अग्रवाल, मार्केट माई बुक की सुश्री लयिका भूषण तथा एनबीटी के सहायक निदेशक, श्री राजीव चौधरी उपस्थित थे।

कटक पुस्तक मेला, 2014

''विश्व का सबसे अमूल्य ख़ज़ाना पुस्तकें हैं। पुस्तकें सार्वलौकिक दृष्टि के साथ पाठक को सुशोभित करती हैं व मनुष्य की आत्मा को संपूर्ण विश्व से जोड़ती हैं। लेखक, प्रकाशक तथा पाठक द्वारा बनाया गया यह त्रिकोण, एक रिश्ते को स्थायी बनाने में सेतु का कार्य करता है व इस बंधन को बढ़ाने में पाठक एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।'' ये विचार ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित, डॉ. प्रतिभा राय ने कटक पुस्तक मेले के उद्घाटन-अवसर पर प्रस्तुत किए।

यह मेला ओडिशा प्रकाशक एवं पुस्तक विक्रेता संघ व जिला प्रशासन, कटक के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा 18 दिसंबर, 2014 को कटक के बलियात्रा ग्राउंड में आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. प्रतिभा ने यह भी कहा कि हमने उस संस्कृति में जन्म लिया है जहाँ पुस्तकों की पूजा की जाती है तथा अभिभावकों व अध्यापकों के अथक प्रयास, बच्चों में पढ़ने की आदत को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने विद्यालयों में प्रभावी पुस्तकालय न होने तथा शिक्षकों द्वारा बच्चों को पाठ्य-पुस्तकों से इतर पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित न किए जाने पर अपनी चिंता प्रकट की।

इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित, कलक्टर व जिला मजिस्ट्रेट, कटक, श्री निर्मल चंद्र मिश्रा ने कटक में इस तरह के पुस्तक मेलों का आयोजन करने के लिए एनबीटी के प्रयासों की सराहना की तथा भविष्य में हर प्रकार का सहयोग करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर प्रख्यात ओड़िया कवि एवं आलोचक, प्रो. सोरिंद्र बारिक मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि केवल पुस्तकें ही पाठक के मस्तिष्क को एक नए संसार में ले जाती हैं व उनके हृदय में दया व सहानुभूति के द्वार खोलती हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रसिद्ध ओड़िया लेखक, डॉ. रत्नाकर चइनी ने कहा कि पुस्तकें एकांत जीवन का अमोघ मित्र होती हैं व माँ बच्चे में पुस्तकें पढ़ने की आदत का आधार प्रदान कर सकती है। ओडिशा प्रकाशक एवं पुस्तक विक्रेता संघ के अध्यक्ष, श्री पीतांबर मिश्रा ने एनबीटी को इस नेक कार्य के लिए धन्यवाद दिया।

मेले में प्रतिदिन संध्या में एनबीटी तथा अन्य क्षेत्रीय साहित्यिक संगठनों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

19 दिसंबर, 2015 को 'पठन प्रवृत्ति का प्रोन्नयन : साहित्यिक संगठन की भूमिका' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें श्री अरुण पांडा, प्रभाकर स्वाईं, डॉ. हुसैन रबी गाँधी तथा श्री देवस्नान दास ने वक्ताओं के रूप में भाग लिया। उत्कल साहित्य समाज के पूर्व अध्यक्ष, श्री अन्नदा प्रसाद राय द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई।

21 दिसंबर को 'पठन-प्रवृत्ति का प्रोन्नयन : ओड़िया पत्रिकाओं की भूमिका' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. बाबाजी पटनायक, श्री सरोज रंजन महांति, श्री सुनील प्रुस्ती, डॉ. गोविंद चंद्र चाँद तथा मानस रंजन सामल द्वारा वक्ताओं के रूप में भाग लिया गया।

मेले के दौरान साहित्यिक संगठनों तथा निजी प्रकाशकों द्वारा विभिन्न पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।

मेले में पुस्तकों के 91 स्टॉल लगाये गए जिसमें ओडिशा तथा देश के अन्य भागों से आए 85 प्रकाशकों तथा पुस्तक विक्रेताओं ने भाग लिया।

एनबीटी की ओर से मेले का समन्वय एनबीटी में ओड़िया संपादक, डॉ. प्रमोद सर द्वारा किया गया।

कटक पुस्तक प्रोन्नयन केंद्र का उद्घाटन

''उत्कल साहित्य समाज, कटक, प्राचीनतम एवं प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था, के परिसर में एनबीटी पुस्तक प्रोन्नयन केंद्र का उद्घाटन, ओडिशावासियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है जिसने इसकी समृद्ध साहित्यिक धरोहर को और अधिक गौरवान्वित कर दिया।'' ये विचार पद्मभूषण तथा ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित व एनबीटी के पूर्व अध्यक्ष, डॉ. सीताकांत महापात्र ने 26 दिसंबर, 2014 को एनबीटी कटक पुस्तक प्रोन्नयन केंद्र के उद्घाटन-अवसर पर कहे। उन्होंने यह भी कहा कि यह एक अविस्मरणीय दिवस है क्योंकि विभिन्न उपयोगी एवं महत्वपूर्ण पुस्तकें जो अब तक लोगों की पहुँच से दूर थीं, अब सस्ते एवं उचित मूल्यों पर आसानी से उपलब्ध हो जाएँगी। उन्होंने कहा कि एनबीटी की पुस्तकों को राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचाने में पुस्तक प्रोन्नयन केंद्र सर्वश्रेष्ठ भूमिका निभाएँगे और अभिभावकों का यह कर्तव्य है कि वे स्वयं पुस्तकें पढ़ें और अपने बच्चों को पाठ्यक्रम के अतिरिक्त भी पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित करें।

कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित, अध्यक्ष उत्कल साहित्य समाज, डॉ. बिजयानंद सिंह ने एनबीटी को कटक में पूर्ण उत्साह एवं रुचि दिखाकर इस तरह का पुस्तक प्रोन्नयन केंद्र खोलने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस केंद्र ने ओडिशा के साहित्यिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ा है। उन्होंने आशा जताई कि उत्कल साहित्य समाज के परिसर में बना यह केंद्र यहाँ की साहित्यिक विरासत की शोभा बढ़ाएगा और पुस्तक-प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ओड़िया साहित्य के प्रसिद्ध आलोचक, प्रो. दाशरथी दास ने राज्य में इस तरह के केंद्र खोलने के लिए सभी संबंधितजनों के प्रयासों की सराहना की व कहा कि एक देश की संस्कृति एवं सभ्यता उसकी मूल्यवान पुस्तकों से ही जानी जा

सकती है। उन्होंने कहा कि पुस्तकें हमारी दृष्टि को तीव्र बनाती हैं, हमारे लक्ष्य को महान बनाती हैं और हमारी कल्पनाओं को शक्ति प्रदान करती हैं।

इससे पूर्व, एनबीटी के निदेशक, डॉ. एम.ए. सिकंदर ने अपने स्वागत संबोधन में पुस्तक पठन पर जोर दिया व एनबीटी प्रकाशनों के मूल्यवान खजाने के प्रोन्नयन हेतु लेखकों, अनुवादकों तथा प्रकाशकों के समर्थन एवं सहयोग के लिए अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि यह केंद्र केवल एनबीटी पुस्तकों का प्रोन्नयन ही नहीं वरन संपूर्ण राज्य में पठन संस्कृति का निर्माण कर एक 'साहित्यिक अड्डा' के रूप में कार्य करेगा। एनबीटी की ओर से कार्यक्रम का समन्वय, ओड़िया संपादक, डॉ. प्रमोद सर द्वारा किया गया।

न्यास के लेखकों को पद्म सम्मान

अभी हाल ही में घोषित पद्म पुरस्कारों की सूची में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास से जुड़े चार लेखक भी शामिल हैं। ये हैं डॉ. सुभाष सी. काश्यप, डॉ. ज्ञान चतुर्वेदी, श्रीमती उषाकिरण खान एवं श्री राम बहादुर राय। डॉ. काश्यप को सार्वजनिक मामले के क्षेत्र में पद्मभूषण सम्मान, जबकि शेष तीन लेखक/पत्रकारों को साहित्य व शिक्षा क्षेत्र में पद्मश्री सम्मान दिए जाने की घोषणा की गई।

डॉ. सुभाष सी काश्यप की न्यास से प्रकाशित पुस्तकों में 'हमारी संसद' एवं 'हमारा संविधान' महत्वपूर्ण पुस्तकें हैं। श्रीमती उषाकिरण खान ने न्यास के लिए 'प्रभावती' नाम से एक जीवनी पुस्तक लिखी है। श्रीमती खान की 'उषाकिरण खान : संकलित कहानियाँ' शीर्षक से कहानियों का एक संग्रह भी प्रकाशित है। डॉ. ज्ञान चतुर्वेदी की 'ज्ञान चतुर्वेदी : संकलित व्यंग्य' शीर्षक से एक पुस्तक शीघ्र प्रकाश्य है। श्री रामबहादुर राय की 'शाश्वत विद्रोही राजनेता : आचार्य जे.बी. कृपलानी' शीर्षक से एक जीवनी पुस्तक प्रकाशित है।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास परिवार की ओर से इन सभी लेखकों को पद्म सम्मान मिलने पर हार्दिक शुभकामनाएँ!

मुरादाबाद पुस्तक मेला

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत तथा जिला प्रशासन मुरादाबाद के संयुक्त तत्वावधान में 9 से 15 जनवरी, 2015 तक मुरादाबाद पुस्तक मेला आयोजित किया गया। इस अवसर पर मेला परिसर में प्रसिद्ध जिगर मंच पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा 'पुस्तकें और पाठक की भूमिका' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें वरिष्ठ नाटककार श्री प्रताप सहगल, वरिष्ठ व्यंग्यकार श्री सुभाष चंदर, सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार श्री आलोक पुराणिक, दिल्ली विश्वविद्यालय से असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुनीता एवं व्यंग्यकार सुनीता शानू के साथ-साथ सुविख्यात नवगीतकार डॉ. माहेश्वर तिवारी व सुप्रसिद्ध हास्य-व्यंग्य कवि, डॉ. मक्खन मुरादाबादी ने अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति व वक्तव्यों से संगोष्ठी को अविस्मरणीय बना दिया। इस अवसर पर श्री प्रताप सहगल ने कहा कि हमें देखना होगा कि हमारी पीढ़ी का रुख किस तरफ है और वह आखिर क्या पढ़ना चाहती है। हमें अपने पाठकों के हितों को भी नजरअंदाज करने से बचना होगा। वहीं दूसरी तरफ डॉ. महेश्वर ने कहा कि जो साहित्य लोगों के बीच उनके अनुभव को जोड़ के लिखा जाता है वह कभी भी अप्रासंगिक नहीं होता। मक्खन मुरादाबादी ने कहा, ''हमें वह रचना होगा जो समाजोन्मुख हो।'' जाने-माने व्यंग्य समालोचक, सुभाष चंदर का कहना था कि आज टेलीविजन ने पाठक कम कर दिए हैं। हमें अपने कार्यक्रमों के कंटेंट को भी अब बदलना होगा। चर्चित व्यंग्यकार, डॉ. आलोक पुराणिक ने कहा कि हमें अपने पाठकों के बारे में खुद को पाठक के स्थान पर रखकर देखना होगा कि आखिर हम उन्हें क्या परोस रहे हैं। सुनीता शानू ने कहा कि माँ-बाप अपने बच्चों को प्रॉपर्टी देते हैं। अरे! मैं तो कहती हूँ उन्हें अपने वारिसों को पुस्तकें भेंट करनी चाहिए।

कार्यक्रम का समन्वय न्यास में हिंदी के सहायक संपादक डॉ. ललित किशोर मंडोरा ने किया।

बिहार एवं झारखंड में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के वितरक एवं एजेंट

बिहार

वितरक

मे. अनुपम
पटना कॉलेज के सामने
पटना-800004
बिहार
दूरभाष : 0612-2670242, 9334120593

एजेंट

मे. ज्ञान गंगा
द्वारा-डॉ. अमर देव द्विवेदी, खिरिया घाट, खुशी टोला
बेतिया-845438
बिहार
दूरभाष : 9135631818

मे. भारत बुक डिपो
सुजागंज, भागलपुर-812002
बिहार
दूरभाष : 0641-2420429, 9470032245
ई-मेल : bbdbooks@gmail.com

मे. जयहिंद इंटरप्राइजेज
आलम रोड, चूड़ीपट्टी
किशनगंज-855108
बिहार
दूरभाष : 9470670222, 0645-6233791

मे. राई पब्लिकेशंस
21/284, हॉस्पीटल रोड
मधुबनी-847211
बिहार
दूरभाष : 8678817474
ई-मेल : ja_442003@yahoo.com

मे. तुषार प्रकाशन
सहदेव पथ, वेस्ट पटेल नगर
पटना-800023
बिहार
दूरभाष : 0612-2286449, 9798042726
ई-मेल : tusharprakashan.86@gmail.com

मे. बिहार स्पोर्ट्स एंड बुक एजेंसी
डी बी रोड, एसबीआइ के दक्षिण
सहरसा-852201
बिहार

मे. आशीष ट्रेडर्स
महिंद्रा कॉम्प्लेक्स, मुजफ्फरपुर रोड
शिवहर-843329
बिहार
दूरभाष : 9470623701, 8084515181

मे. मिश्रा पुस्तक भंडार
हरदिया, नरकटियागंज
प. चंपारण
बिहार
दूरभाष : 9471267959
ई-मेल : mpb.nke@gmail.com

मे. जफर बुक डिस्ट्रीब्यूटर्स
जी.बी. रोड
गया-823001
बिहार
दूरभाष : 0631-2222342
ई-मेल : zafarbookdistributor@gmail.com

झारखंड

एजेंट

मे. उर्मिला बुक डिपो
द्वारा-सायोनारा, काली मंडा रोड, गिरीडीह रोड
गिरीडीह-815301
झारखंड
दूरभाष : 0653-2226499

मे. प्रतिमा इंटरप्राइजेज
एन-78/3, प्लाजा मार्केट, टेल्को कॉलोनी के निकट
जमशेदपुर-831004,
झारखंड
दूरभाष : 9431345991

मे. क्राउन बुक पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स
आर्यन टॉवर, ईस्ट जेल रोड, राँची
राँची-834001, झारखंड
दूरभाष : 0651-2313735, 9431106189

मे. जयश्री बुक हाउस
हाउस/56 हरमू हाउसिंग कॉलोनी, कार्तिक उड़ाँव चौक के पास, हरमू बाईपास रोड
राँची-834002
झारखंड
दूरभाष : 0651-2341321
ई-मेल : jayashreebookhouse@gmail.com

मे. शंकर पुस्तक भंडार
कॉलेज रोड, साहिबगंज-816109, झारखंड
दूरभाष : 0643-6223916

मे. श्री गोयल ब्रदर्स
जायसवाल कॉम्प्लेक्स
जमशेदपुर-831001
झारखंड

पुस्तक परिचय

गांधी : मेरा जीवन ही मेरा संदेश
हिंदी रूपां. : अशोक चक्रधर लेखन : जेसन क्विन
पृ. 212
कल्याणी नवयुग मीडिया प्रा. लि., 101सी, शिव हाउस, हरि नगर आश्रम, नई दिल्ली-14
राष्ट्रपिता गाँधी पर यों तो सैकड़ों पुस्तकें प्रकाशित हैं, पर हिंदी में यह अपनी तरह की कदाचित पहली ही पुस्तक है। ग्राफीय रूप में प्रकाशित यह पुस्तक गाँधी को समझने की एक दृष्टि देती है। गाँधी का विलायत जाना, द. अफ्रीका में रंगभेद के प्रति अभियान और स्वदेश लौटकर स्वतंत्रता आंदोलन को नेतृत्व देना—सबकी उत्कृष्ट चित्रमय झाँकी है यह।

जिंदा होने का सबूत (जाबिर हुसेन की कथा-डायरी)
पृ.152 ₹ 300
राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., 1बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-110002
प्राध्यापक, जेपी आंदोलन के कार्यकर्ता एवं सांसद रहे जाबिर हुसेन एक प्रखर बुद्धिजीवी, लेखक एवं संपादक भी हैं। वर्तमान में 'दोआबा' पत्रिका का संपादन कर रहे श्री हुसेन की यह डायरी उनकी पिछली डायरियों का विस्तार है। डायरी का कथा शिल्प और भाषा व्यवहार पाठकों को रुचेगा।

खबर पर नजर (पत्रकारिता)
राघवेंद्र पाठक पृ.256 ₹ 460
सामयिक प्रकाशन, 3320-21, जटवाड़ा, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-110002
समाचार पत्र या अखबार में होने वाली आम गड़बड़ियों के संबंध में पुस्तक में ब्योरेवार जानकारी दी गई है। यह भी बताया गया है कि इन गड़बड़ियों से कैसे बचें। 'समाचारों का चयन कैसे हो' से लेकर बहुविध विषयों पर विचार किया गया है ।

बात बोलेगी (साक्षात्कार)
योगेन्द्र वर्मा 'व्योम' (साक्षात्कारकर्ता)
पृ.208 ₹ 300
गुंजन प्रकाशन, सी-130, हिमगिरी कॉलोनी, काँठ रोड, मुरादाबाद, उ.प्र.
पंद्रह नए- सुपरिचित ग़ज़लकारों एवं गीत-नवगीत कवियों से साक्षात्कार का संकलन। साक्षात्कार के बहाने रचनाकार के रचना शिल्प, रचना प्रक्रिया और उसके समकालीन समय-सोच की झलक मिलती है यहाँ। जिनसे साक्षात्कार लिये गए उनमें कुँअर बेचैन, ज़हीर कुरैशी, राजेंद्र गौतम प्रमुख हैं।

पहाड़ पर धूप (कहानी-संग्रह)
मुरारी शर्मा पृ.112 ₹ 140
अंतिका प्रकाशन, सी-56/यूजीएफ-IV, शालीमार गार्डन, एक्सटेंशन-II, गाजियाबाद-201005, उ.प्र.
दस कहानियों का संग्रह। समाज के अंतर्विरोध एवं विडंबना इनकी कहानियों के आधार तत्व हैं। दलितों एवं वंचितों के प्रति हमारे समाज का व्यवहार इनको सालता है और पर्यावरण की विषम होती परिस्थिति भी इन्हें उद्वेलित करती है।

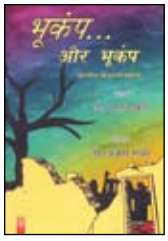

भूकंप...और भूकंप (भूकंप केंद्रित श्रेष्ठ गुजराती कहानियाँ)
संपा. : डॉ. भरत ठाकोर अनु. : डॉ. अंजना संधीर
पृ. 144 ₹ 250
फ्लेमिंगो पब्लिकेशंस, 14, चौथी मंजिल, वंदेमातरम आर्केड, गोता, अहमदाबाद, गुजरात
गुजरात में आए भयावह भूकंप पर केंद्रित कहानियों का संभवतः पहला संकलन। मानव इतिहास की इस भीषण प्राकृतिक आपदा ने गुजरात ही नहीं समस्त भारतीयों के मन-मानस को बुरी तरह झिंझोड़ा था। संवेदनशील और सहृदय रचनाकार भला इससे कैसे अछूता रहते!

मेरे हिस्से के नरेन्द्र कोहली (संस्मरण)
प्रेम जनमेजय पृ.160 ₹ 150
हिंद पॉकेट बुक्स प्रा. लि., जे-40, जोरबाग लेन, नई दिल्ली-03
इस संस्मरण पुस्तक के माध्यम से प्रख्यात व्यंग्यकार प्रेम जनमेजय ने युग प्रवर्तक साहित्यकार नरेंद्र कोहली के आदर्श जीवन के रोचक संस्मरण पिरोए हैं। इस क्रम में नरेंद्रजी व प्रेम जी के जीवन के कई अनछुए पहलू भी सामने आते हैं। कोहली जी से संपर्क, संबंध और सान्निध्य की बातें तो हैं ही।

मेवात का जोहड़
राजेंद्र सिंह पृ.164 ₹ 400
राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-110002
इस पुस्तक में आज के मेवात का सजीव चित्रण है। इसमें जोहड़ से जुड़ते लोग, पानी की लूट रोकने का सत्याग्रह, शराब कारखाने बंद करवाने और मेवात के पानीदार बने गाँवों का वर्णन है। युवाओं द्वारा ग्राम स्वावलंबन के रचनात्मक कार्यों का वर्णन भी है।

मेरा पता कोई और है (उपन्यास)
कविता पृ.176 ₹ 250
सामयिक प्रकाशन, 3320-21, जटवाड़ा, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-110002
लेखिका के पात्र अपनी आकांक्षाओं और सपनों की टकराहट से दो-चार होते हुए संबंध, समाज और नैतिकता का नया व्याकरण रचते हैं। संवेदनाओं की जमीन पर रचा गया यह उपन्यास मनुष्य को मनुष्य बनाए रखने की एक तहकीकात भी है।

यह अंधेरा है या कुछ और
लालित्य ललित पृ. 114 ₹ 100
सर्वप्रिय प्रकाशन, 1569, प्रथम मंजिल, चर्च रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली-110006
बहुप्रसवा कवि सह व्यंग्यकार इस कवि की कविताओं के लिए कच्चा माल उनके आस-पास और परिवेश में बहुतायत में उपलब्ध है। देशज शब्दों से पड़ोस और देश की बात कहते हैं, सो, सीधे दिल तक आती है— शब्दों से खिलवाड़ नहीं, चमत्कार नहीं, सिर्फ प्यार है इनको।

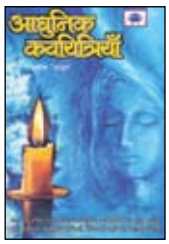

आधुनिक कवयित्रियाँ (कविता संकलन)
अशोक 'अंजुम' पृ. 126 ₹ 50
रवि पॉकेट बुक्स, 33, हरी नगर, मेरठ-250002, उ.प्र.
नवोदित और स्थापित 60 कवयित्रियों के गीत, ग़ज़ल, दोहे, मुक्तक, छंदमुक्त कविताएँ आदि इस संकलन में शामिल हैं। महिला सशक्तीकरण के इस दौर में स्त्री-स्वर को नकारना संभव नहीं है। इन रचनाओं को पढ़कर वर्तमान में सृजनरत कवयित्रियों के मन-मिजाज को समझा जा सकता है।

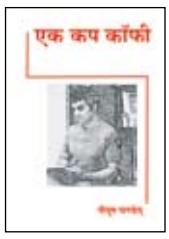

एक कप कॉफी (कविता संकलन)
पीयूष पाण्डेय पृ. 128 ₹ 175
साहित्यागार, धामाणी मार्केट की गली, चौड़ा रास्ता, जयपुर
चौरासी कविताओं का संग्रह। हर कविता का आस्वाद अलग, परिवेश अलग। कविताएँ छोटी हैं तो बड़ी भी। आज के बदल रहे समय-समाज को प्रतिबिंबित करती ये कविताएँ हमें जगाती हैं और झकझोरती भी हैं।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास से प्रकाशित कुछ नवीनतम पुस्तकें : एक परिचय

छत्तीसगढ़

शिवअनुराग पटैरया पृ. 248 ₹ 240.00

देश के जनजातीय बहुल राज्य छत्तीसगढ़ की परंपराओं, लोककला, संस्कृति, भाषा, भूगोल, राजनीति आदि पर प्रामाणिक जानकारी देने वाली पुस्तक।

ISBN 978-81-237-7199-1

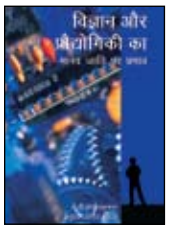

विज्ञान और प्रौद्योगिकी का मानव जाति पर प्रभाव

के.वी. गोपालकृष्णन अनु.: विनीता सिंघल

पृ. 140 ₹ 130.00

लेखक ने प्रस्तुत पुस्तक में वैज्ञानिक क्रांति के इतिहास और विकास पर नजर डालते हुए मानव पर इसके प्रभाव व जागरूकता से उत्पन्न समस्याओं और आशाओं की भी चर्चा की है।

SBN 978-81-237-7073-4

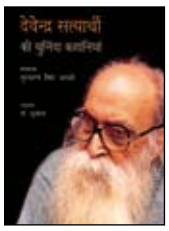

देवेंद्र सत्यार्थी की चुनिंदा कहानियाँ

गुरुचरण सिंह अरशी (संपा.) अनु.: डॉ. सुनीता

पृ. 294 ₹ 245.00

अप्रतिम कथाकार देवेंद्र सत्यार्थी के व्यक्तित्व की तरह सरल कहानियाँ, जो किसी-न-किसी रूप में जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं। एक तरह से सामाजिकता होने का सुख बाँटती हैं।

ISBN 978-81-237-7070-3

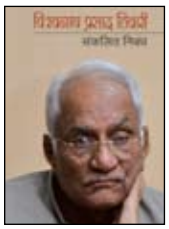

विश्वनाथ प्रसाद तिवारी : संकलित निबंध

पृ. 248 ₹ 225.00

पुस्तक में न केवल राज्य, धर्म, विचारधारा, साहित्य, स्त्री, कविता आदि विविध विषयों पर तर्कपूर्ण, विचारपरक आकलन-विश्लेषण है वरन भारतीय साहित्य के अनेक पुरोधाओं की रचना एवं उनके रचनाकार-व्यक्तित्व पर भी आलोचनात्मक लेख हैं।

ISBN 978-81-237-7230-1

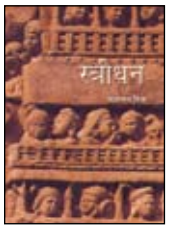

स्त्रीधन

मायानन्द मिश्र

पृ. 352 ₹ 135.00

सूत्र स्मृतिकालीन मिथिला के इतिहास पर आधारित प्रस्तुत उपन्यास मिथिला में राजतंत्र की समाप्ति, जनक वंश के अंतिम राजा कराल जनक के अन्याय, दुराचार, नीतिविरोधी प्रवृत्ति, स्वेच्छाचार और एक कुँवारी कन्या के साथ किये गए दुर्व्यवहार के कारण उसके पतन की कहानी है।

ISBN 978-81-237-4910-5

उषाकिरण खान : संकलित कहानियाँ

पृ. 140 ₹ 135.00

लेखिका की प्रस्तुत 21 कहानियों में स्त्री के करुणा और संघर्षशील जीवन की बयानी, भावनाओं का अछूतापन, सामाजिक दोगलापन, जातिभेद व लिंगभेद से जुड़ी समस्याओं को रेखांकित किया गया है।

ISBN 978-81-237-7118-2

केदारनाथ अग्रवाल : संकलित कविताएँ

विश्वनाथ त्रिपाठी (चयन और भूमिका)

पृ. 110 ₹ 70.00

केदारनाथ अग्रवाल की कविताओं में सुख, सौंदर्य और श्रम की अभिव्यक्ति का स्वर मुखरित हुआ है। प्रगतिशील हिंदी कविता को कालजयी गरिमा देने वाली रचनाओं का संकलन।

ISBN 978-81-237-6122-0

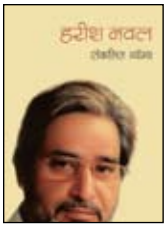

हरीश नवल : संकलित व्यंग्य

पृ. 152 ₹ 150.00

युवा ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित देश के चर्चित व्यंग्यकार की रचनाओं का चुटीला व्यंग्य संग्रह; जो बेहद ही महीन मार करने में सक्षम है।

ISBN 978-81-237-7163-2

1971 : बांग्लादेश मुक्तियुद्ध की कहानियाँ

सलाम आजाद (संक. एवं संपा.)

पृ. 224 ₹ 190.00

22 कहानियों का संकलन। सभी कहानियाँ सन् '71 की बांग्लादेश के मुक्तियुद्ध से जुड़ी हैं। कहानियों में मुक्तियोद्धाओं और हिंदुओं पर हुए जुल्म का विवरण दिल दहलाने वाला है।

ISBN 978-81-237-7313-1

डॉ. राममनोहर लोहिया

गुंजेश्वरी प्रसाद (संच. एवं संपा.)

पृ. 192 ₹ 170.00

राममनोहर लोहिया के व्यक्तित्व को समझने के लिए वरिष्ठ पत्रकार की कलम से लिखी गई एक महत्वपूर्ण पुस्तक। साथ ही, लोहिया के अनेक दुर्लभ पत्र एवं उनके विचार भी।

ISBN 978-81-237-7127-4

हिमाचल प्रदेश की लोककथाएँ

सुदर्शन वशिष्ठ पृ. 206 ₹ 195.00

लोककथा का अपना महत्व होता है जो अनजाने ही हमें एक अव्यक्त सुख देती है और जिसका एहसास बहुत ही प्रीतिकर होता है। हिमाचल को लोककथा के माध्यम से परिचित कराने में मददगार यह पुस्तक।

ISBN 978-81-237-7177-9

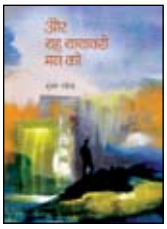

और यायावरी मन की

कुमार रवीन्द्र पृ. 180 ₹ 160.00

अँग्रेजी के प्रोफेसर और हिंदी के लेखक ने पूरे भारत का भ्रमण अपने अंदाज में किया। बेहद आत्मीय शैली में लिखी यह पुस्तक आपको निमंत्रण देती है, साथ ही अपनी जड़ों से जोड़ने का काम भी करती है।

ISBN 978-81-237-7187-8

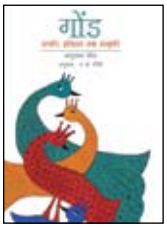

गोंड : उत्पत्ति, इतिहास तथा संस्कृति

अनुराधा पॉल अनु.: ए.के. गाँधी

पृ. 138 ₹ 155.00

गोंड भारत का सबसे बड़ा आदिवासी समुदाय है। गोंडी गुरु पारि कुपार लिंगो के उपदेशों पर आधारित यह पुस्तक गोंडों के इतिहास, संस्कृति, दर्शन और मान्यताओं पर विवेचना प्रस्तुत करती है।

ISBN 978-81-237-7142-8

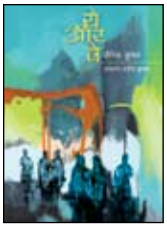

ये और वे

जैनेन्द्र कुमार प्रदीप कुमार (संचयन)

पृ. 302 ₹ 265.00

उपन्यास और कहानी की नई परंपरा का सूत्रपात करने वाले लेखक जैनेन्द्र कुमार महात्मा गाँधी के प्रिय और आत्मीय थे। इस पुस्तक में लेखक के गाँधी जी, नेहरू जी, विनोबा, प्रेमचंद, महादेवी वर्मा, अज्ञेय आदि मनीषियों के व्यक्तित्व व चिंतन पर संस्मरणों को संकलित किया गया है।

ISBN 978-81-237-7204-1

R.N.I. No. 64445/96
Postal Regd. No. DL-SW-1/4077/2015-17
Licence to post without prepayment
L. No. U(SW) 23/2015-17
Mailing date 15/16 same month
Date of publication 08/02/2015

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले, 2015 की विशेषताएँ

- विशिष्ट अतिथि देश - सिंगापुर
- फोकस देश - दक्षिण कोरिया
- लगभग 1000 प्रतिभागी
- 30 विदेशी प्रतिभागी
- 2000 स्टॉल/स्टैंड
- 9 हॉल
- नई दिल्ली प्रतिलिप्यधिकार मंच
- लेखक मंच/साहित्य मंच
- सीईओ स्पीक
- बाल मंडप
- थीम प्रस्तुति - पूर्वोत्तर भारत के उभरते स्वर

न्यास में सलाहकार शिव कुमार मिश्र का निधन

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत में सलाहकार रहे श्री शिव कुमार मिश्र का 22 जनवरी, 2015 को दिल्ली में निधन हो गया। न्यास के लिए उन्होंने 'निष्काम कर्मयोगी : पंडित सुंदर लाल' नाम से एक जीवनी-पुस्तक लिखी थी।

न्यास के सभी साथी उनको विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

न.दि.वि.पु.मे. में भारतीय प्रकाशक : आँकड़ों में

भाषा	प्रकाशक
असमिया	1
बांग्ला	8
अँग्रेजी	284
गुजराती	2
हिंदी	277
कन्नड़	1
मलयालम	10
मराठी	1
ओड़िया	1
पंजाबी	9
संस्कृत	10
सिंधी	2
तमिल	5
तेलुगु	1
उर्दू	10
विदेशी	30
कुल	**982**

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास संवाद भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन संचालित स्वायत्त संगठन, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत का मुख पत्र है।

इस पत्र के आलेखों में व्यक्त विचारों से न्यास की सहमति का होना आवश्यक नहीं है।

संपादक : **उमा बंसल**
कार्यकारी संपादक : **दीपक कुमार गुप्ता**
संपादकीय सहयोग : **अल्पना भसीन**
उत्पादन अधिकारी : **नरेन्द्र कुमार**

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
(नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया)
नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II
वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070
ई-मेल: office.nbt@nic.in
वेबसाइट : www.nbtindia.gov.in

पाठकों से अनुरोध है कि वे **नेशनल बुक ट्रस्ट संवाद** के बारे में अपने विचार संपादक को लिखें।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत की ओर से सतीश कुमार द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा अरावली प्रिन्टर्स एवं पब्लिसर्स प्रा.लि., डब्ल्यू 30, ओखला फेज-II, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली-110020 से टाइपसेट एवं मुद्रित और राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070 से प्रकाशित। संपादक : उमा बंसल।

भारत सरकार सेवार्थ

डाक वापसी की दशा में कृपया इस पते पर वापस करें :
नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070